SYLLABUS
पाठ्यक्रम

In collaboration with Recognised universities under UGC act 1956 / Section 2F / State Govt / Centre Govt / Govt of India

भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद
FIRST AID COUNCIL OF INDIA

Website- www.faci.ind.in
E-mail - info@faci.ind.in

प्रस्तावना

भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद उन सभी संस्थाओं जिन्हे राज्यों व केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित किया गया हो तथा जिनके सहयोग व प्राथमिक उपचार हेतु राष्ट्रीय व अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर पाठ्यक्रम को तैयार किया गया। भारत सरकार के गत 70 वर्षो में स्वास्थ्य व स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु निरंतर समाज कल्याण हित में उठाए गए कदम व प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त करता है।

साथ ही कोरोना के संकटकाल में जिस प्रकार स्वास्थ्य संस्थाओं / चिकित्सको / संचालको / विभागों / कर्मचारियों द्वारा जनहित में अविसमरणीय तथा सहासी कार्यो को कुशलतापूर्वक देश के शहरी से लेकर ग्रामीण असहाय स्वास्थ्य से वंचित जातिय - जनजातिय समाज को जीवन संरक्षण हेतु बिना किसी भेदभाव के लाभान्वित करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र में एक पूनर्जागरण का निर्माण किया है तथा कोरोना प्राकृतिक संकट आपदा के कारण देश की गिरती हुई आर्थिक व्यवस्था के सशक्तिकरण हेतु आत्मनिर्भर भारत की संरचना / परिकल्पना को चरितार्थ करने हेतु निरंतर कार्यरत है।

रा0 मु0 वि0 शि0 स0 सलाहकार समिति पाठ्यक्रम लेखन / पाठ्यक्रम समन्वयन / पाठ्यक्रम संपादन / पाठ्यक्रम समिति द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम तथा रेड क्रॉस सोसाएटी व उन विदेशी संस्थाओं का भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद आभार व अनुग्रह व्यक्त करते हुए अतिहर्ष की अनुभुति का पात्र है क्योकि भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद (FACI) द्वारा संग्रहित पाठ्यक्रम में उपरोक्त संस्थाओं द्वारा तैयार पाठ्यक्रम के अति महत्वपूर्ण अंशो / ईकाईयों / खंडो को संग्रहित कर रोजगार / स्वरोजगार हेतु प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रमाण पत्रोपाधि को संग्रहित कर तैयार किया गया है जिसको A.B.V.H.V. (राज्य अधिनियम 2011 द्वारा स्थापित) की कार्य परिषद दिनांक 28/02/2020 को अनुमोदित कर उपरोक्त पाठ्यक्रम के संचालन हेतु मान्यता प्रदान करते हुए अधिसूचना संख्या क्रमांक / अकादमी / अ.बि.व.हि.वि / 2020 / 1886 दिनांक 30/06/2020 को जनहित में जारी कर दिया गया है।

भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद उक्त पाठ्यक्रम का संचालन देश के प्रत्येक राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्यानुसार अद्यतन / नवीनीकरण हेतु प्रस्तावित है तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु तत्पर है जिसको विशेषज्ञो / अनुभवशील / कुशल व्यक्ति / संस्थाओं / सरकार (राज्य / केन्द्र / केन्द्रशासित प्रदेशों) के सहयोग द्वारा दिन-प्रतिदिन नवीनीकरण / समायोजन हेतु प्रस्तावित है। भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद (FACI) द्वारा स्वास्थ्य व जनहित में संग्रहित पाठ्यक्रम प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपाधि को बहुत सुझ-बूझ व समाज की आवश्यकता तथा वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार व सरकारी संस्थाओं के सहयोग से जनहित में स्वास्थ्य कौशल व माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कौशल योजना के सरलता - सुगमता पुर्वक संचालन हेतु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए प्राथमिक चिकित्सा व प्राथमिक उपचार के रोजगारोन्मुखी अवसरों को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ना तथा समाज के उस अछूते अंग को मुख्य धारा से जोड़ते हुए देश में उपलब्ध संसाधनो का बहुउद्देश्य उपयोग कर राष्ट्र अर्थव्यवस्था व स्वास्थ्य सुरक्षा को प्रोत्साहित करना तथा एक कुशल भारत का निर्माण करने हेतु जनहित में आयुर्वेद / युनानी / होम्योपैथी / सिद्ध वैकल्पिक एलोपैथिक आदिपेथियों द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु संग्रहित है।

प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
FIRST AID SPECIALIST DIPLOMA COURSE

प्रवेश योग्यता : 12वीं पास

भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद उक्त पाठ्यक्रम का संचालन देश के प्रत्येक राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्यानुसार अद्यतन / नवीनीकरण हेतु प्रस्तावित है तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु तत्पर है जिसको विशेषज्ञो / अनुभवशील / कुशल व्यक्ति / संस्थाओं / सरकार (राज्य / केन्द्र / केन्द्रशासित प्रदेशों) के सहयोग द्वारा दिन-प्रतिदिन नवीनीकरण / समायोजन हेतु प्रस्तावित है। भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद (FACI) द्वारा स्वास्थ्य व जनहित में संग्रहित पाठ्यक्रम प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपाधि को बहुत सुझ-बूझ व समाज की आवश्यकता तथा वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार व सरकारी संस्थाओं के सहयोग से जनहित में स्वास्थ्य कौशल व माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कौशल योजना के सरलता - सुगमता पुर्वक संचालन हेतु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए प्राथमिक चिकित्सा व प्राथमिक उपचार के रोजगारोन्मुखी अवसरों को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ना तथा समाज के उस अछूते अंग को मुख्य धारा से जोड़ते हुए देश में उपलब्ध संसाधनो का बहुउद्देश्य उपयोग कर राष्ट्र अर्थव्यवस्था व स्वास्थ्य सुरक्षा को प्रोत्साहित करना तथा एक कुशल भारत का निर्माण करने हेतु जनहित में आयुर्वेद / युनानी / होम्योपैथी / सिद्ध वैकल्पिक एलोपैथिक आदिपेथियों द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु संग्रहित है।

पाठ्यक्रम अवधि : 1 वर्ष

अध्ययन योजना :

सिद्धांत : 40% प्रयोग / प्रशिक्षण : 60%

प्रस्ताव / असाईनमेंट (Project / Assignment)

कार्यक्रम	अवधि	अनिवार्य सम्पर्क घंटे	कुल अध्ययन अवधि
प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपाधि पाठ्यक्रम	एक वर्ष	सैद्धांतिक अनुदेशों / प्रस्तुतिकरण सहित प्रैक्टिकल के लिए अनिवार्य संपर्क घंटे	500 घंटे

पाठ्यक्रम
SYLLABUS

Eligibility : 12th (From Recognised Board)	Examination : Sessional / On Demand
Duration : 1 Year	Study : Online / Recorded Lectures / Videos / E-Book / Hard Copy (On Purchase)
Medium : Hindi / English	Mode of Examination : Objective (Online)

SYLLABUS AND CURRICULUM FOR FIRST AID SPECIALIST DIPLOMA COURSE

COURSE - I
BASIC LIFE SCIENCE

UNIT 1 : ANATOMY & PHYSIOLOGY - A
UNIT 2 : ANATOMY & PHYSIOLOGY - B
UNIT 3 : NATURAL HEALTH & HYGIENE
UNIT 4 : HOME CARE & CHILDHOOD ALIMENTS
UNIT 5 : NUTRITION
UNIT 6 : YOGA & EXERCISES

COURSE - II
MATERNAL & CHILD HEALTH CARE

UNIT 1 : PREGNANCY & CARE OF WOMEN DURING PREGNANCY
UNIT 2 : CARE OF WOMEN DURING INTRANATAL & POSTNATAL PERIOD
UNIT 3 : BREAST FEEDING
UNIT 4 : NATIONAL HEALTH PROGRAMMES
UNIT 5 : IMPORTANCE AND NEEDS OF FAMILY WELFARE PROGRAMMES
UNIT 6 : DUTIES OF HEALTH INSPECTOR

COURSE - III
PREVENTION & MANAGEMENT OF DISEASES & EMERGENCY

UNIT 1 : COMMUNICABLE DISEASES - A
UNIT 2 : COMMUNICABLE DISEASES - B
UNIT 3 : PREVENTIVE MEASURES (ALL 5 STEPS)
UNIT 4 : FIRST AID
UNIT 5 : LIFE STYLE DISEASES
UNIT 6 : PHARMACIES & DRUG REACTION
UNIT 7 : MANAGEMENT & EMERGENCY

PRACTICAL

1. SKELETAL SYSTEM
2. RESPIRATORY SYSTEM
3. DIGESTIVE SYSTEM
4. ASSESSMENT OF KOSHTHA
5. MEASUREMENT & USE OF HEMOGLOBIN
6. BLOOD AGGLUTINATION & RH FACTOR
7. PRACTICE OF FOOT JOINT OPERATION
8. PRACTICE OF HAND JOINT OPERATION
9. ABDOMINAL GROUP EXERCISES

ASSESSMENT REPORT AND ASSIGNMENTS MUST BE SUBMITTED AT THE AUTHORIZED CENTRE.

BENEFITS :

- JOB ORIENTATION
- FIRST AID CENTRE
- SELF EMPLOYED
- REGISTRATION
- MEMBERSHIP
- SCHOLARSHIP

आधारभूत जीवन विज्ञान / Basic Life Science

विषय 1 / COURSE - I

पाठ 1 शरीर विज्ञान एवं क्रिया विज्ञान
UNIT 1 ANATOMY & PHYSIOLOGY - A

- शरीर विज्ञान एवं क्रियाविज्ञान
- कोशिका
- ऊतक
- अंग
- मानव शरीर की संरचना
- तंत्रो / संस्थानों का संक्षिप्त परिचय :
  1. अध्यावरणी तंत्र
  2. कंकाल तंत्र
  3. पेशीय तंत्र
  4. श्वसन तंत्र
  5. पाचन तंत्र
  6. परिसंचरण तंत्र
  7. उत्सर्जन तंत्र
  8. अन्तः स्रावी तंत्र
  9. जनन तंत्र
  10. तंत्रिका तंत्र

पाठ 2 हमारा शरीर और प्रतिरक्षा प्रणाली
UNIT 2 ANATOMY & PHYSIOLOGY - B

- प्रतिरक्षा प्रणाली
- प्रतिरक्षा के प्रकार
- प्राकृतिक प्रतिरक्षा
- उपार्जित प्रणाली

पाठ 3 स्वास्थ्य और स्वच्छता
UNIT 3 NATURAL HEALTH & HYGIENE

- स्वास्थ्य की संकल्पना
- स्वास्थ्य की परिभाषा और अच्छे स्वास्थ्य के लक्षण
- स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक जैसे – व्यक्तिगत स्वच्छता, व्यायाम, नींद व विश्राम आदि।
- साफ – सफाई तथा स्वच्छता

पाठ 4 बच्चो की बीमारियां तथा घरेलू उपचार
UNIT 4 HOME CARE & CHILDHOOD AILMENTS

- सामान्य रोगों से बचाव
- सामान्य रोगों के घरेलू उपचार
- बाल अवस्था में होने वाली बीमारियां और घरेलू उपचार

पाठ 5 पोषण
UNIT 5 NUTRITION

- हमारा भोजन
- भोजन का कार्य
- पोषण तथा पोषक तत्व
  - कार्बोहाइड्रेट
  - प्रोटीन
  - बसा
  - विटामिन
  - खनिज
  - जन
- भोजन समूह
- संतुलित आहार
- पोषण संबंधी आवश्यकता

विभिन्न आयु वर्गो के लिए पोषण संबंधी आवश्यकताएं

- पोषण संबंधी विकार और कुपोषण
- – प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण
- खाद्य चार्ट
  - अरक्तता
  - आहारीय प्रबंधन आदि

पाठ 6 योग और स्वास्थ्य
UNIT 6 YOGA & EXERCISES

- योग का परिचय
- अष्टांग योग
- योगासन और प्रारम्भिक अभ्यास
- कुछ महत्वपूर्ण आसन और अभ्यास

मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य की देखभाल / Maternal & Child Health Care

विषय 2 / COURSE - II

पाठ 1 गर्भावस्था और गर्भावस्था में महिला की देखरेख
UNIT 1 PREGNANCY & CARE OF WOMEN DURING PREGNANCY

- यौनारंभ, मासिक चक्र
- गर्भावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक क्रियात्मक परिवर्तन, प्रसव की अनुमानित तिथि की गणना।
- गर्भावस्था के संकेत और लक्षण
- गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिला की परिचर्या
- गर्भावस्था महिला के विभिन्न परीक्षण
- गर्भावस्था में जोखिम का आंकलण
- गर्भवती महिला की देखरेख

पाठ 2 प्रसवकालीन तथा प्रसवोत्तर अवधि के दौरान महिला की देखरेख
UNIT 2 CARE OF WOMEN DURING INTRANATAL & POSTNATAL PERIOD

- प्रसव : एक परिचय, वास्तविक प्रसव पीड़ा के लक्षण
- प्रसव कक्ष में महिला का आंकलन
- प्रसव के दौरान माँ तथा शिशु की स्थिति का आंकलन
- प्रसव के लिए तैयार करना
- प्रसूति की तैयारी, प्रसव का तीसरा चरण
- नवजात शिशु की तत्काल देखरेख, स्तनपान
- माँ की प्रसवोत्तर देखरेख

पाठ 3 स्तनपान
UNIT 3 BREAST FEEDING

- प्रसवोपरांत प्रारंभिक दूध

- स्तनपान के लाभ तथा बोतल के दूध के खतरे
- प्रतिकूल परिस्थितियों में स्तनपाल संबंधी निर्देश
- शिशु को स्तनपान कराने की सही तकनीकें
- स्तनपान संबंधी आम समस्याएं एवं उनका निवारण

पाठ 4 राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

UNIT 4 NATIONAL HEALTH PROGRAMMES

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय वेक्टर बोर्न डिज़ीज कंट्रोल प्रोग्राम
- गैर-संचारणीय रोगो की रोकथाम और नियंत्रण
- संशोधित राष्ट्रीय टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम
- सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम
- प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय आयोडीन अल्प विकार नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय बधिरता निवारण व नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम
- स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

पाठ 5 परिवार कल्याण कार्यक्रम

UNIT 5 IMPORTANCE AND NEEDS OF FAMILY WELFARE PROGRAMMES

- परिवार कल्याण कार्यक्रमों का महत्व
- सर्वव्यापी प्रतिरक्षण कार्यक्रम
- परिवार कल्याण कार्यक्रम की आवश्यकता
- परिवार नियोजन
- अस्थायी उपाय, अवरोधी उपाय, रासायनिक अवरोध, अन्तगर्भाशयी उपकरण, हार्मोनयुक्त औषधियाँ
- स्थायी उपाय, पुरुष नसबंदी, महिला नसबंदी
- अस्थाई पद्धति, पुरुष काण्डोम, महिला काण्डोम, डायाक्राम, यौनांग स्पंज, आई.यू.डी.
- खाने वाली गर्भ निरोधक गोलियां, मिश्रित गोलियां
- उपत्वचीय प्रत्यारोपण, हार्मोनल यौनांग रिंग सेन्टक्रोमन
- स्थाई पद्धति (नसबंदी), पुरुष व महिला नसबंदी
- पोस्ट क्वाइटल गर्भ निरोधक

- कैफेटेरिया एप्रोच
- दो बच्चों के जन्म के बीच में अंतराल
- चिकित्सीय गर्भपात

पाठ 6 स्वास्थ्य कार्यकर्ता के दायित्व

UNIT 6 DUTIES OF HEALTH INSPECTOR

- स्वास्थ्य कार्यकर्ता के कार्य व दायित्व
- क्षेत्र का मानचित्र बनाना, घरों का सर्वेक्षण, निवारक दायित्व, उपचारात्मक दायित्व
- हाइपोटर्थिया से बचाव, कंगारु केस। बच्चे को नहलाना व साफ करना।
- स्तन्य आहार
- बच्चे का पोषण (6–7 महीने) (12–18 महीने) (18 महीने – 2 वर्ष)
- शिशु का सामान्य विकास जन्म के समय भार, प्रत्येक महीने बच्चे का भार मापना, निप्पल की
- देखरेख, क्रैकयुक्त निप्पल की देखरेख।
- स्तन्य आहार के दौरान बच्चे की स्थान स्थिति तथा पेट से हवा निकालना।

रोगो एवं आपात स्थितियों का निवारण व प्रबंधन
Prevention & Management of Diseases & Emergency

विषय 3 / COURSE - III

पाठ 1 संक्रातक रोग – 1

UNIT 1 COMMUNICABLE DISEASES - A

- परिभाषा, फैलाने के माध्यम, परपोषी (Host) एजेंट, पर्यावरण
- संक्रमणों का फैलना, जल से, वायु से भोजन, वेक्टर द्वारा होने वाले संपर्क रोग तथा परजीवी
- संक्रमण

पाठ 2 संक्रातक रोग – 2

UNIT 2 COMMUNICABLE DISEASES - B

- परजीवी जन्य बीमारियाँ – डेंगू, मलेरिया
- कुष्ठरोग
- तपेदिक
- डिपथीरिया
- निमोनिया

- भोजन विषाक्तता
- यौनसंक्रमण
- सिफलिस (सुजाक)
- गोनोरिया
- एड्स
- कुछ परजीवी संक्रमण

पाठ 3 रोकथाम के उपाय (सभी 5 चरण)

UNIT 3 PREVENTIVE MEASURES (ALL 5 TYPES)

- विशिष्ट संरक्षण
- पुनर्वासन
- प्राथमिक निवारण
- व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान
- संगरोधन उपाय
- सूचनीय रोग
- आर्गेनिज्म, लक्षणों तथा निवारक उपायों की तालिका

पाठ 4 प्राथमिक उपचार

UNIT 4 FIRST AID

- रक्तचाप, तापमान, ऊँचाई तथा भार मापन की परिभाषा
- धमनीय एवं शिरीय रक्तस्राव की पहचान
- लम्बाई व भार मापन
- नाक से खून बहना
- संकुचन बैंडेज
- आन्तरिक रक्तस्राव – संकेत + लक्षण तथा आपातकालीन उपाय
- सदमा (Shock) – पहचान व आपातकालीन उपाय, विद्युत झटका, आपात स्थिति
- एसफिक्सिया (Ashphysix) – प्रकार, संकेत एवं लक्षण, आपातकालीन उपाय।

पाठ 5 जीवन शैली संबंधित रोग

UNIT 5 LIFE STYLE DISEASES

- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, कैंसर आदि।

पाठ 6 औषधि विज्ञान एवं औषधि प्रतिक्रिया

UNIT 6 PHARMACIES & DRUG REACTION

- औषधि प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न आपात स्थिति का प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार।

पाठ 7 आपातकालीन स्थिति का प्रबंधन

UNIT 3 MANAGEMENT & EMERGENCY

- प्रबंधन एवं डूबने की आपातकालीन स्थिति में बचाव के उपाय तथा कृत्रिम श्वसन।
- बेहोशी में बचाव का प्रबंधन।
- कुत्ते के काटने, सांप के काटने, कीट के काटने के दौरान आपातकालीन स्थिति का प्रबंधन व प्राथमिक उपचार।
- जले की स्थिति में आपातकालीन उपाय, जले हुए व्यक्ति का बचाव तथा जल चिकित्सा, हड्डी टूटना तथा ऐसे रोगी का स्थानानतरण।
- पक्षाघात (लकुए) के रोगी की देखरेख।
- अचेत रोगी के आपातकालीन उपाय।
- हाइपर-पैराक्सिया पर नियंत्रण, ऊष्माघात (लू लगाना) पर नियंत्रण।
- वायु नलिका में बाहरी तत्व, घावों पर पट्टी लगाना।
- त्रिकोणीय बैंडेज तथा रोलर बैंडेज का प्रयोग, कान से रक्त बहना व दर्द, औषधियों का वितरण। (विशष रुप से आयन्टमेंट, नाक के दवा, आँखों की ड्रॉप, इन्सुलिन इंजेक्शनों को लगाने के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान)।
- उदरीय पीड़ा की आपातकालीन स्थिति व इसका प्राथमिक उपचार।

Practical

1. SKELETAL SYSTEM
2. RESPIRATORY SYSTEM
3. DIGESTIVE SYSTEM
4. ASSESSMENT OF KOSHTHA
5. MEASUREMENT & USE OF HEMOGLOBIN
6. BLOOD AGGLUTINATION & RH FACTOR
7. PRACTICE OF FOOT JOINT OPERATION
8. PRACTICE OF HAND JOINT OPERATION
9. ABDOMINAL GROUP EXERCISES

उत्तीर्णता मापदण्ड

क्र.सं.	कौशल परीक्षा का विषय	सिद्धान्त में अधिकतम अंक	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक
1.	आन्तरिक मूल्यांकन सहित सिद्धांत (आन्तरिक मूल्यांकन : 30)	(70+10) x 3 = 240 (लिखित परीक्षा = 200)	40%	96
2.	आन्तरिक मूल्यांकन सहित प्रायोगिक परीक्षा (आन्तरिक मूल्यांकन : 60)	(100+10) x 3 = 360 (प्रयोग परीक्षा = 300)	60%	216

मूल्यांकन योजना

विषय	सैद्धान्तिक			प्रायोगिक / प्राशिक्षण			कुल अंक
	बाह्य		आन्तरिक मूल्यांकन	बाह्य		आन्तरिक मूल्यांकन	
	अधिकतम अंक	समय (घंटे)	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक	समय (घंटे)	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक
आधारभूत जीवविज्ञान	70	3	10	100	4	20	200
मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य की देखभाल	70	3	10	100	4	20	200
रोगों एवं आपातकालीन स्थिति में निवारण व प्रबंधन	70	3	10	100	4	20	200

नोट : • सिद्धांत पक्ष में प्रशिक्षार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन सहित सिद्धांत में कुल 40% अंक प्राप्त करने होंगे।
• प्रायोगिक परीक्षा में प्रशिक्षार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन सहित कुल 60% अंक प्राप्त करने होंगे।

आन्तरिक सतत् मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया

सिद्धांत (Theory)

प्रत्येक 50 दिनों के पश्चात 10 अंक की तीन परीक्षाएं होगी। कुल अंक = 30

प्रायोगिक / प्रशिक्षण (आन्तरिक मूल्यांकन)

प्रत्येक प्रशिक्षार्थी का प्रगति कार्ड बनाकर मूल्यांकन किया जाएगा, जिसमें प्रयोग / एक्सपैरिमेंट का मूल्यांकन दर्शाया जाएगा। कुल अंक = 60

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
YOG AND NATUTAL TREATMENT DIPLOMA COURSE

प्रवेश योग्यता : 12वीं पास

भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद उक्त पाठ्यक्रम का संचालन देश के प्रत्येक राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्यानुसार अद्यतन / नवीनीकरण हेतु प्रस्तावित है तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु तत्पर है जिसको विशेषज्ञो / अनुभवशील / कुशल व्यक्ति / संस्थाओं / सरकार (राज्य / केन्द्र / केन्द्रशासित प्रदेशों) के सहयोग द्वारा दिन-प्रतिदिन नवीनीकरण / समायोजन हेतु प्रस्तावित है। भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद (FACI) द्वारा स्वास्थ्य व जनहित में संग्रहित पाठ्यक्रम प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ पत्रोपाधि को बहुत सुझ-बूझ व समाज की आवश्यकता तथा वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार व सरकारी संस्थाओं के सहयोग से जनहित में स्वास्थ्य कौशल व माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कौशल योजना के सरलता - सुगमता पुर्वक संचालन हेतु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए प्राथमिक चिकित्सा व प्राथमिक उपचार के रोजगारोन्मुखी अवसरों को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ना तथा समाज के उस अछूते अंग को मुख्य धारा से जोड़ते हुए देश में उपलब्ध संसाधनो का बहुउद्देश्य उपयोग कर राष्ट्र अर्थव्यवस्था व स्वास्थ्य सुरक्षा को प्रोत्साहित करना तथा एक कुशल भारत का निर्माण करने हेतु जनहित में आयुर्वेद / युनानी / होम्योपैथी / सिद्ध वैकल्पिक एलोपैथिक आदिपेथियों द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु संग्रहित है।

पाठ्यक्रम अवधि : 1 वर्ष

अध्ययन योजना :

सिद्धांत : 40% प्रयोग / प्रशिक्षण : 60%

प्रस्ताव / असाईनमेंट (Project / Assignment)

कार्यक्रम	अवधि	अनिवार्य सम्पर्क घंटे	कुल अध्ययन अवधि
योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पत्रोपाधि पाठ्यक्रम	एक वर्ष	सैद्धांतिक अनुदेशों / प्रस्तुतिकरण सहित प्रैक्टिकल के लिए अनिवार्य संपर्क घंटे	500 घंटे

पाठ्यक्रम
SYLLABUS

Eligibility : 12th (From Recognised Board)	Examination : Sessional / On Demand
Duration : 1 Year	Study : Online / Recorded Lectures / Videos / E-Book / Hard Copy (On Purchase)
Medium : Hindi / English	Mode of Examination : Objective (Online)

SYLLABUS AND CURRICULUM FOR YOG AND NATURAL TREATMENT DIPLOMA COURSE

कोर्स – I
प्राथमिक योग (सिद्धान्त)

प्रथम इकाई : प्राथमिक योग का सामान्य परिचय

द्वितीय इकाई : यौगिक सत्ता

तृतीय इकाई : मनोव्यवहार का यौगिक दृष्टिकोण

चतुर्थ इकाई : प्रमाण के सिद्धांत

पंचम इकाई : प्राणिधान एवं उसका स्वरुप

कोर्स – II
प्राथमिक योग (साधना)

प्रथम इकाई : यम-अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह

द्वितीय इकाई : धारणा-स्वरुप, प्रक्रिया

तृतीय इकाई : बन्ध-स्वरुप, महत्व एवं उपयोगिता

चतुर्थ इकाई : यौगिक आहार-परिभाषा एवं महत्व, घटक एवं कार्य

पंचम इकाई : योगोपचार पद्धमि का विकास। योगोपचार की विशेषताएँ

कोर्स – III
प्राथमिक योग (क्रियात्मक)

प्रथम इकाई : योग की प्रारम्भिक तैयारी, अभ्यास की मर्यादा, अभ्यास के लिए उपयुक्त स्थान, उपयुक्त पोशाक

द्वितीय इकाई : प्राणायम – पूरक, कुम्भक, रेचक, सूर्यभेदन, उज्जायी, तीतली, सीत्कारी, भस्त्रिका

तृतीय इकाई : बन्ध – उडिडयन बन्ध, मूलबन्ध, जिहा बन्ध जालन्धर बन्ध, महाबन्ध

चतुर्थ इकाई : भाट्क्रिया – कपालभाति, त्राटक नौलि, नेति, धौति, बस्ति

पंचम इकाई : पतंजलिध्यान का अभ्यास । भावातीत ध्यान का अभ्यास। यौगिक उड़ान का अभ्यास।

कोर्स – IV
संस्कृत तथा प्राथमिक योग विज्ञान

प्रथम इकाई : वेद विज्ञान का सामान्य परिचय

द्वितीय इकाई : संहिता, ऋषि, देवता एवं छेद की अवधारणा

तृतीय इकाई : निर्धारित विषयों के ग्रन्थों का आनपूर्वी पाठ

चतुर्थ इकाई : विशेषण शब्दों का परिचयर एवं भेद एवं कारक का सामान्य परिचय

पंचम इकाई : सन्धियों का परिचय एवं भेद

ASSESSMENT REPORT AND ASSIGNMENTS MUST BE SUBMITTED AT THE AUTHORIZED CENTRE.

BENEFITS :

- JOB ORIENTATION
- SELF EMPLOYED
- MEMBERSHIP
- FIRST AID CENTRE
- REGISTRATION
- SCHOLARSHIP

प्राथमिक योग (सिद्धान्त)

प्रथम इकाई : –

प्राथमिक योग का सामान्य परिचय। योग शब्द का अर्थ एवं परिभाषा। भावातीत ध्यान – स्वरुप। यौगिक उड़ान – स्वरुप। योग के प्रकार एवं उनकी विशेषताएँ। योग की परम्परा। योग के आधारभूत ग्रंथों का परिचय। पतंजलि योगदर्शनम्, हठयोगप्रदीपिका, घेरण्डसंहिता, योगवाशि ठ, गोरक्ष संहिता।

द्वितीय इकाई : –

यौगिक सत्ता। सृष्टि एवं व्यक्ति का स्वरुप। द्वैतसिद्धान्त, प्रकृति और पुरुष का स्वरुप। सृष्टि का आरम्भ। तेईस तत्वों की उत्पत्ति, पुनर्जन्म एवं संसार चक्र। कैवल्यावस्था का वर्णन।

तृतीय इकाई : –

मनोव्यवहार का यौगिक दृष्टिकोण। आधिभौतिक दुःख, आधिदैविक दुःख एवं आध्यात्मिक दुःख। चित्त की पांच भूमियाँ एवं वृत्तियाँ। चित्त विक्षेप। चित्त निरोधक उपाय – अभ्यास एवं वैराग्य।

चतुर्थ इकाई : –

प्रमाण के सिद्धांत। विद्या से बन्धन की प्राप्ति। योग के अभ्यास से अविद्या का नाश। विवेक या विवाद (भ्रम का सिद्धान्त) संयम से प्राप्त सिद्धियाँ एवं प्रकार।

पंचम इकाई : –

प्राणिधान एवं उसका स्वरुप। ओम् (प्रणव) का स्वरुप व योग में महत्व। चित्त प्रसन्न करने के लिए मैत्री आदि का महत्व। कैवल्य का स्वरुप। जीवमुक्ति का स्वरुप एवं विशेषताएँ।

प्राथमिक योग (साधना)

प्रथम इकाई : –

यम–अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह। नियम–शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वरप्राणिधान। आसन–परिभाष, स्वरुप एवं महत्व। प्राणायम–पूरक, कुम्भक और रेचक। प्रत्याहार–स्वरुप।

द्वितीय इकाई : –

धारणा–स्वरुप, प्रक्रिया। ध्यान–स्वरुप, प्रक्रिया। समाधि–प्रकार, सबीज एवं निर्बीज समाधि। संयम–स्वरुप। अष्ट सिद्धियाँ – अणिमा, महिमा, लघिमा आदि का स्वरुप एवं प्रभाव।

तृतीय इकाई : –

बन्ध – स्वरुप, महत्व एवं उपयोगिता। मुद्रा – स्वरुप, महत्व एवं उपयोगिता। भाट्क्रिया – स्वरुप, महत्व एवं उपयोगिता।

भाट्चक्र – चक्रों के नाम स्थिति। कुण्डलिनी शक्ति का स्वरुप, स्थान एवं जागरण। नाड़ी शुद्धि, स्वरुप प्रकार नाड़ियाँ एवं वायुओं का वर्णन।

चतुर्थ इकाई : –

यौगिक आहार – परिभाषा एवं महत्व, घटक एवं कार्य। आहार में उपयुक्त एवं वर्जित पदार्थ। यौगिक दिनचर्या। पाचन संस्थान के अंग एवं पाचन की क्रिया। आँख, कान, घ्राण, त्वचा एवं स्वाद की इंन्द्रियाँ तथा कार्य।

पंचम इकाई : –

योगोपचार पद्धति का विकास। योगोपचार की विशेषताएँ। योगोपचार में आसन, प्राणायम, मुद्रा, बन्ध, शुद्धि क्रियाओं एवं भावातीत ध्यान का महत्व।

प्राथमिक योग (क्रियात्मक)

प्रथम इकाई : –

योग की प्रारम्भिक तैयारी, अभ्यास की मर्यादा, अभ्यास के लिए उपयुक्त स्थान, उपयुक्त पोशाक। अभ्यास का समय, अभ्यास का क्रम, अन्य व्यायामों के साथ योगाभ्यास का तालमेल। आसन – पद्मासन, सिद्धासन, सूर्यनमस्कार, पर्वतासन, गोरक्षासन, लोलासन, बकासन, मयूरासन, भुजंगसान, मकरासन, गर्भासन, तोलाँगलासन, आकर्णधनुरासन, एकपादशिरासन, वृश्रिकासन, जानुशिरासन, वातायनासन, मत्स्येन्द्रसन, शशकासन, पादाग, ठासन, उत्तनकूमासन, शवासन, शीर्षासन, चक्रासन।

द्वितीय इकाई : –

प्राणायम – पूरक, कुम्भक, रेचकः, सूर्यभेदन, उज्जायी, तीतली, सीत्कारी, भस्त्रिका।

तृतीय इकाई : –

बन्ध – उडिडयन बन्ध, मूलबन्ध, जिहा बन्ध, जालन्धर बन्ध, महाबन्ध। मुद्रा – महामुद्रा विपरीतकरणी, योगमुद्रा, अश्रिनीमुद्रा।

चतुर्थ इकाई : –

भाट्क्रिया – कपालभाति, त्राटक नौलि, नेति, धौति, बस्ति।

पंचम इकाई : –

पतंजलिध्यान का अभ्यास। भावातीत ध्यान का अभ्यास। यौगिक उड़ान का अभ्यास।

संस्कृत तथा प्राथमिक योग विज्ञान

प्रथम इकाई : –

वेद विज्ञान का सामान्य परिचय। वेद विज्ञान का स्वरुप एवं विषय। अपौरु योग्यता। भावातीत ध्यान एवं चेतना।

द्वितीय इकाई : –

संहिता, ऋषि, देवता एवं छंद की अवधारणा। ऋग्वेद से उपनिषद् तक के क्षेत्रों का सामान्य परिचय। मन्त्रद्रष्टा, ऋषियों के नाम। शरीर में इनके स्थान। आरण्यक से प्रातिशाख्य तक के क्षेत्रों का सामान्य परिचय। चेतना स्पन्दनों का गुण।

तृतीय इकाई : –

निर्धारित विषयों के ग्रन्थों का आनपूर्वी पाठ।

चतुर्थ इकाई : –

शब्दों का भेदात्मक, परिचय, अकार–आकार–इकार–उकरान्त शब्दों का तीनों लिगों में रुप विवरण। (रामं–रमा–फल, हरि–मति–दधि, गुरु–वधु)। विशेषण शब्दों का परिचयर एवं भेद एवं कारक का सामान्य परिचय। अव्यय शब्दों का परिचय एवं भेद। सर्वनाम शब्दों का परिचय एवं यु मद अस्मद् तत् शब्दों का रुप विवरण।

पंचम इकाई : –

सन्धियों का परिचय एवं भेद। लकारों का भेद परिचय, भू–अस्–एध् धातुओं का रुप 5 लकारों में। (लट्, लिट्, लृट्, लिड्.) संस्कृत सम्भाराण। निबन्ध रचना।

उत्तीर्णता मापदण्ड

क्र.सं.	कौशल परीक्षा का विषय	सिद्धान्त में अधिकतम अंक	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक
1.	आन्तरिक मूल्यांकन सहित सिद्धांत (आन्तरिक मूल्यांकन : 30)	(70+10) x 3 = 240 (लिखित परीक्षा = 200)	40%	96
2.	आन्तरिक मूल्यांकन सहित प्रायोगिक परीक्षा (आन्तरिक मूल्यांकन : 60)	(100+10) x 3 = 360 (प्रयोग परीक्षा = 300)	60%	216

मूल्यांकन योजना

विषय	सैद्धान्तिक			प्रायोगिक / प्राशिक्षण			कुल अंक
	बाह्य		आन्तरिक मूल्यांकन	बाह्य		आन्तरिक मूल्यांकन	
	अधिकतम अंक	समय (घंटे)	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक	समय (घंटे)	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक
प्राथमिक योग (सिद्धान्त)	70	3	10	100	4	20	200
प्राथमिक योग (साधना)	70	3	10	100	4	20	200
प्राथमिक योग (क्रियात्मक)	70	3	10	100	4	20	200
संस्कृत तथा प्राथमिक योग विज्ञान	70	3	10	100	4	20	200

नोट : • सिद्धांत पक्ष में प्रशिक्षार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन सहित सिद्धांत में कुल 40% अंक प्राप्त करने होंगे।
• प्रायोगिक परीक्षा में प्रशिक्षार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन सहित कुल 60% अंक प्राप्त करने होंगे।

आन्तरिक सतत् मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया

सिद्धांत (Theory)

प्रत्येक 50 दिनों के पश्चात 10 अंक की तीन परीक्षाएं होगी। कुल अंक = 30

प्रायोगिक / प्रशिक्षण (आन्तरिक मूल्यांकन)

प्रत्येक प्रशिक्षार्थी का प्रगति कार्ड बनाकर मूल्यांकन किया जाएगा,
जिसमें प्रयोग / एक्सपैरिमेंट का मूल्यांकन दर्शाया जाएगा। कुल अंक = 60

भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद
FIRST AID COUNCIL OF INDIA

Registered Under Section 8 Society, Ministry of Corporate Affairs Govt. of India
A Govt. Gazette Notified Organisation

Working Under State / Centre Legislature Act of Universities Which are duly Approved by University Grant Commission (UGC) Govt. of India

मुख्य कार्यलय – इन्द्रप्रस्थ भवन, जी0टी0 रोड, शाहदरा, दिल्ली –110032
Website- www.faci.ind.in E-mail - enquiry@faci.ind.in
+91- 9319590690